स्तनपान के लिए नगद प्रोत्साहन

यूनाइटेड किंगडम के दो शहरों में एक योजना शुरू की जा रही है जिसके तहत स्तनपान कराने वाली मांओं को 20 पाउंड के खरीददारी वाउचर्स दिए जाएंगे। शर्त यह है कि वे अपने बच्चे को जन्म के बाद पहले छः माह तक स्तनपान कराएं। इस योजना का नाम नरिशिंग स्टार्ट फॉर हेल्थ (नोश) रखा गया है और इसका संचालन शेफील्ड विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। यह योजना शेफील्ड और चेस्टरफील्ड की सभी मांओं को उपलब्ध रहेगी।

योजना का तर्क यह है कि स्तनपान कराने से मां और बच्चे दोनों के लिए कई बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। एक अनुमान के मुताबिक इन इलाकों में मात्र 25 प्रतिशत मांएं ही अपने बच्चों को स्तनपान कराती हैं और वह भी सिर्फ प्रथम दो महीनों तक। इस मामले में पूरे यूके का औसत 55 प्रतिशत है।

युनिसेफ द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि स्तनपान को बढ़ावा देकर यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में प्रति वर्ष 310 लाख पाउंड की बचत की जा सकती है।

वैसे स्तनपान को बढ़ावा देने की इस तरह की योजनाएं यूएस, कनाडा व फ्रांस में भी आज़माई गई हैं। बताते हैं कि यूएस में ऐसी ही एक योजना के तहत सिर्फ स्तनपान कराने वाली मांओं को बच्चे के लिए मुफ्त डायपर्स दिए जाते थे और इसके चलते वहां कम आमदनी वाले परिवारों में स्तनपान की दर में वृद्धि हुई थी। इसी प्रकार से क्यूबेक में स्तनपान कराने वाली मांओं को प्रति माह साढ़े सैंतीस डॉलर मिलते थे। स्तनपान कराया या नहीं, इसका निर्णय डॉक्टर द्वारा दिए गए हलफनामे के आधार पर किया जाता था। इसके लिए फ्रांस में महिलाओं को स्तनपान कराने के लिए भुगतानशुदा छुट्टी मिलती थी। मगर इनमें से कई योजनाओं का कोई व्यवस्थित मूल्यांकन नहीं हुआ है। ***(स्रोत फीचर्स)***